drishti | दृष्टि The Vision

Think IAS Think Drishti

IAS मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2020

सामान्य अध्ययन

मॉड्यूल IV

हिंदी और अंग्रेज़ी दोनों माध्यमों में

प्रारंभ 13 नवम्बर, 2020

कुल 4 टेस्ट्स

केवल ऑनलाइन माध्यम में

शुल्क - ₹4000/-

दिल्ली में स्थान

641, मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009

प्रयागराज में स्थान

दृष्टि आई.ए.एस, ताशकंद मार्ग, पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज

Contacts: 8010440440, 87501 87501 E-mail : testseries@groupdrishti.com Website : www.drishtiias.com

मुख्य विशेषताएँ

- नवीनतम पद्धति के अनुसार प्रश्न-पत्र में समसामयिकी एवं पारंपरिक विषयों का सटीक संश्लेषण
- मानक पुस्तकों, प्रामाणिक वेबसाइटों तथा समाचार पत्रों पर गहन शोध के पश्चात् तैयार प्रश्न-पत्र
- विस्तृत मॉडल उत्तर, जिससे अभ्यर्थियों को सामग्री संवर्द्धन हेतु व्यापक जानकारी व विश्लेषण प्रदान किया जा सके
- प्रत्येक अभ्यर्थी की विशिष्ट देख-रेख हेतु टेलीफोन पर मेंटरशिप सुविधा
- विशेषज्ञों की समर्पित टीम द्वारा उत्तर पुस्तिकाओं का समयबद्ध मूल्यांकन किया जाता है, जिससे अभ्यर्थियों को अगले परीक्षण से पूर्व उपयुक्त प्रतिक्रिया मिल सके
- पर्याप्त तैयारी हेतु टेस्ट के बीच उपयुक्त अंतराल
- नम्य प्रारूप- उम्मीदवार अपनी सुविधा के अनुसार (निर्धारित तिथि के बाद) किसी भी दिन व समय पर परीक्षा दे सकते हैं

टेस्ट संख्या	दिनांक	पाठ्यक्रम
टेस्ट 1 GSM (MIV)-2001	13 नवम्बर, 2020 (शुक्रवार)	जी.एस. पेपर I: संपूर्ण पाठ्यक्रम
टेस्ट 2 GSM (MIV)-2002	23 नवम्बर, 2020 (सोमवार)	जी.एस. पेपर II: संपूर्ण पाठ्यक्रम

टेस्ट संख्या	दिनांक	पाठ्यक्रम
टेस्ट 3 GSM (MIV)-2003	03 दिसम्बर, 2020 (गुरुवार)	जी.एस. पेपर III: संपूर्ण पाठ्यक्रम
टेस्ट 4 GSM (MIV)-2004	13 दिसम्बर, 2020 (रविवार)	जी.एस. पेपर IV: संपूर्ण पाठ्यक्रम

www.drishtiIAS.com
Contact : 8010440440, 8750187501

टेस्ट अनुसूची

टेस्ट संख्या (कोड)	दिनांक व दिन	विषय
टेस्ट 1 GSM (MIV)-2001	13 नवम्बर, 2020 (शुक्रवार)	**जी.एस. पेपर I: संपूर्ण पाठ्यक्रम** ● कला एवं संस्कृति: भारतीय संस्कृति में प्राचीन काल से आधुनिक काल तक के कला के रूप, साहित्य और वास्तुकला के मुख्य पहलू शामिल होंगे। ● 18वीं सदी के लगभग मध्य से लेकर वर्तमान समय तक का आधुनिक भारतीय इतिहास- महत्त्वपूर्ण घटनाएँ, व्यक्तित्व, विषय। ● स्वतंत्रता संग्राम- इसके विभिन्न चरण और देश के विभिन्न भागों से इसमें अपना योगदान देने वाले महत्त्वपूर्ण व्यक्ति/उनका योगदान। ● स्वतंत्रता के पश्चात् देश के अंदर एकीकरण और पुनर्गठन। ● विश्व के इतिहास में 18वीं सदी तथा बाद की घटनाएँ यथा-औद्योगिक क्रांति, विश्व युद्ध, राष्ट्रीय सीमाओं का पुन: सीमांकन, उपनिवेशवाद, उपनिवेशवाद की समाप्ति, राजनीतिक दर्शन जैसे- साम्यवाद, पूंजीवाद, समाजवाद आदि शामिल होंगे, उनके रूप और समाज पर उनका प्रभाव। ● भारतीय समाज की विशिष्ट लक्षण, भारत में विविधता। ● महिलाओं की भूमिका और महिला संगठन, जनसंख्या एवं संबद्ध मुद्दे, गरीबी और विकासात्मक विषय, शहरीकरण, उनकी समस्याएँ और उनके रक्षोपाय। ● भारतीय समाज पर भूमंडलीकरण का प्रभाव। ● सामाजिक सशक्तीकरण, संप्रदायवाद, क्षेत्रवाद और धर्मनिरपेक्षता। ● विश्व के भौतिक भूगोल की मुख्य विशेषताएँ। ● विश्व भर के मुख्य प्राकृतिक संसाधनों का वितरण (दक्षिण एशिया और भारतीय उपमहाद्वीप को शामिल करते हुए), विश्व (भारत सहित) के विभिन्न भागों में प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र के उद्योगों को स्थापित करने के लिये ज़िम्मेदार कारक। ● भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखीय हलचल, चक्रवात आदि जैसी महत्त्वपूर्ण भू-भौतिकीय घटनाएँ, भौगोलिक विशेषताएँ और उनके स्थान- अति महत्त्वपूर्ण भौगोलिक विशेषताओं (जल-स्रोत और हिमावरण सहित) और वनस्पति एवं प्राणिजगत में परिवर्तन तथा इस प्रकार के परिवर्तनों के प्रभाव। ● इन्हीं विषयों से संबंधित करेंट अफेयर्स।

टेस्ट 2 GSM (MIV)-2002	23 नवम्बर, 2020 (सोमवार)	**जी.एस. पेपर II: संपूर्ण पाठ्यक्रम** ● भारतीय संविधान- ऐतिहासिक आधार, विकास, विशेषताएँ, संशोधन, महत्त्वपूर्ण प्रावधान और बुनियादी संरचना। ● संघ एवं राज्यों के कार्य तथा उत्तरदायित्व, संघीय ढाँचे से संबंधित विषय एवं चुनौतियाँ, स्थानीय स्तर पर शक्तियों और वित्त का हस्तांतरण तथा उसकी चुनौतियाँ। ● विभिन्न घटकों के बीच शक्तियों का पृथक्करण, विवाद निवारण तंत्र तथा संस्थान। ● भारतीय संवैधानिक योजना की अन्य देशों के साथ तुलना। ● संसद और राज्य विधायिका- संरचना, कार्य, कार्य-संचालन, शक्तियाँ एवं विशेषाधिकार तथा इनसे उत्पन्न होने वाले विषय। ● कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन एवं कार्य- सरकार के मंत्रालय व विभाग। ● प्रभावक समूह और औपचारिक/अनौपचारिक संघ तथा शासन प्रणाली में उनकी भूमिका। ● जन-प्रतिनिधित्व अधिनियम की मुख्य विशेषताएँ। ● विभिन्न संवैधानिक पदों पर नियुक्ति और विभिन्न संवैधानिक निकायों की शक्तियाँ, कार्य एवं उत्तरदायित्व। ● सांविधिक, विनियामक और विभिन्न अर्द्ध-न्यायिक निकाय। ● सरकारी नीतियों और विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिये हस्तक्षेप और उनके अभिकल्पन तथा कार्यान्वयन के कारण उत्पन्न विषय। ● विकास प्रक्रिया तथा विकास उद्योग- गैर-सरकारी संगठनों, स्वयं सहायता समूहों, विभिन्न समूहों और संघों, दानकर्त्ताओं, लोकोपकारी संस्थाओं, संस्थागत एवं अन्य पक्षों की भूमिका। ● केंद्र एवं राज्यों द्वारा जनसंख्या के अति संवेदनशील वर्गों के लिये कल्याणकारी योजनाएँ और इन योजनाओं का कार्य-निष्पादन; इन अति संवेदनशील वर्गों की रक्षा एवं बेहतरी के लिये गठित तंत्र, विधि, संस्थान एवं निकाय। ● स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधनों से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित विषय। ● गरीबी एवं भूख से संबंधित विषय। ● शासन व्यवस्था, पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्त्वपूर्ण पक्ष, ई-गवर्नेंस- अनुप्रयोग, मॉडल, सफलताएँ, सीमाएँ और संभावनाएँ; नागरिक चार्टर, पारदर्शिता एवं जवाबदेही और संस्थागत तथा अन्य उपाय। ● लोकतंत्र में सिविल सेवा की भूमिका। ● भारत एवं इसके पड़ोसी- संबंध। ● द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह तथा भारत से संबंधित और/अथवा भारत के हितों को प्रभावित करने वाले करार। ● भारत के हितों पर विकसित तथा विकासशील देशों की नीतियों एवं राजनीति का प्रभाव; प्रवासी भारतीय। ● महत्त्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, संस्थाएँ और मंच- उनकी संरचना, अधिदेश। ● इन्हीं विषयों से संबंधित करेंट अफेयर्स।

www.drishtiIAS.com
Contact : 8010440440, 8750187501

टेस्ट 3 GSM (MIV)-2003	03 दिसम्बर, 2020 (गुरुवार)	**जी.एस. पेपर III: संपूर्ण पाठ्यक्रम** ● भारतीय अर्थव्यवस्था तथा योजना, संसाधनों को जुटाने, प्रगति, विकास तथा रोज़गार से संबंधित विषय। ● समावेशी विकास तथा इससे उत्पन्न विषय। ● सरकारी बजट। ● मुख्य फसलें- देश के विभिन्न भागों में फसलों का पैटर्न- सिंचाई के विभिन्न प्रकार एवं सिंचाई प्रणाली- कृषि उत्पाद का भंडारण, परिवहन तथा विपणन, संबंधित विषय और बाधाएँ; किसानों की सहायता के लिये ई-प्रौद्योगिकी। ● प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कृषि सहायता तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य से संबंधित विषय; जन वितरण प्रणाली- उद्देश्य, कार्य, सीमाएँ, सुधार; बफर स्टॉक तथा खाद्य सुरक्षा संबंधी विषय; प्रौद्योगिकी मिशन; पशु पालन संबंधी अर्थशास्त्र। ● भारत में खाद्य प्रसंस्करण एवं संबंधित उद्योग- कार्यक्षेत्र एवं महत्त्व, स्थान, ऊपरी और नीचे की अपेक्षाएँ, आपूर्ति शृंखला प्रबंधन। ● भारत में भूमि सुधार। ● उदारीकरण का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव, औद्योगिक नीति में परिवर्तन तथा औद्योगिक विकास पर इसका प्रभाव। बुनियादी ढाँचा: ऊर्जा, बंदरगाह, सड़क, विमानपत्तन, रेलवे आदि। निवेश मॉडल। ● विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी- विकास एवं अनुप्रयोग और रोज़मर्रा के जीवन पर इसका प्रभाव। ● विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियाँ; देशज रूप से प्रौद्योगिकी का विकास और नई प्रौद्योगिकी का विकास। ● सूचना प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, कंप्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-टेक्नोलॉजी, बायो-टेक्नोलॉजी और बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित विषयों के संबंध में जागरूकता। ● संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और क्षरण, पर्यावरण प्रभाव का आकलन। ● आपदा और आपदा प्रबंधन। ● विकास और फैलते उग्रवाद के बीच संबंध। ● आंतरिक सुरक्षा के लिये चुनौती उत्पन्न करने वाले शासन विरोधी तत्त्वों की भूमिका। ● संचार नेटवर्क के माध्यम से आंतरिक सुरक्षा को चुनौती, आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों में मीडिया और सामाजिक नेटवर्किंग साइटों की भूमिका, साइबर सुरक्षा की बुनियादी बातें, धन-शोधन और इसे रोकना। ● सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियाँ एवं उनका प्रबंधन- संगठित अपराध और आतंकवाद के बीच संबंध। ● विभिन्न सुरक्षा बल और एजेंसियाँ तथा उनके अधिदेश। ● इन्हीं विषयों से संबंधित करेंट अफेयर्स।

टेस्ट 4 GSM (MIV)-2004	13 दिसम्बर, 2020 (रविवार)	**जी.एस. पेपर IV: संपूर्ण पाठ्यक्रम** ● नीतिशास्त्र तथा मानवीय सह-संबंध: मानवीय क्रियाकलापों में नीतिशास्त्र का सार तत्त्व, इसके निर्धारक और परिणाम; नीतिशास्त्र के आयाम; निजी और सार्वजनिक संबंधों में नीतिशास्त्र, मानवीय मूल्य- महान नेताओं, सुधारकों और प्रशासकों के जीवन तथा उनके उपदेशों से शिक्षा; मूल्य विकसित करने में परिवार, समाज और शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका। ● अभिवृत्ति: सारांश (कंटेंट), संरचना, वृत्ति; विचार तथा आचरण के परिप्रेक्ष्य में इसका प्रभाव एवं संबंध; नैतिक और राजनीतिक अभिरुचि; सामाजिक प्रभाव एवं धारणा। ● सिविल सेवा के लिये अभिरुचि तथा बुनियादी मूल्य- सत्यनिष्ठा, भेदभाव रहित तथा गैर-तरफदारी, निष्पक्षता, सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण भाव, कमज़ोर वर्गों के प्रति सहानुभूति, सहिष्णुता तथा संवेदना। ● भावनात्मक समझ: अवधारणाएँ तथा प्रशासन और शासन व्यवस्था में उनके उपयोग और प्रयोग। ● भारत तथा विश्व के नैतिक विचारकों तथा दार्शनिकों का योगदान। ● लोक प्रशासन में लोक/सिविल सेवा मूल्य तथा नीतिशास्त्र: स्थिति तथा समस्याएँ; सरकारी तथा निजी संस्थानों की नैतिक चिंताएँ तथा दुविधाएँ; नैतिक मार्गदर्शन के स्रोतों के रूप में विधि, नियम, विनियम तथा अंतरात्मा; उत्तरदायित्व एवं नैतिक शासन, शासन व्यवस्था में नीतिपरक एवं नैतिक मूल्यों का सुदृढ़ीकरण; अंतर्राष्ट्रीय संबंधों तथा निधि व्यवस्था (फंडिंग) में नैतिक मुद्दे; कॉरपोरेट शासन व्यवस्था। ● शासन व्यवस्था में ईमानदारी: लोक सेवा की अवधारणा; शासन व्यवस्था और ईमानदारी का दार्शनिक आधार, सरकार में सूचना का आदान-प्रदान और पारदर्शिता, सूचना का अधिकार, नीतिपरक आचार संहिता, आचरण संहिता, नागरिक घोषणा पत्र, कार्य संस्कृति, सेवा प्रदान करने की गुणवत्ता, लोक निधि का उपयोग, भ्रष्टाचार की चुनौतियाँ। ● केस स्टडीज़ ● इन्हीं विषयों से संबंधित करेंट अफेयर्स।

www.drishtiIAS.com
Contact : 8010440440, 8750187501